रणजीत टाइम्स

इंदौर

बुधवार, 13 मई, 2026

वर्ष 02 | अंक 118 कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

गेस पेपर की चर्चा, गिरफ्तारी, अब नीट परीक्षा ही रद्द

● 23 लाख स्टूडेंट बैठे थे, पेपर लीक के आरोप, अब सीबीआई जांच करेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट यूजी 2026 रद्द कर दी गई है। 3 मई को जब परीक्षा खत्म हुई, तब लाखों छात्र राहत महसूस कर रहे थे। लेकिन कुछ ही दिनों बाद सोशल मीडिया पर गेस पेपर और पेपर लीक की चर्चाएं तेज होने लगीं। शुरुआत में इसे अफवाह माना गया लेकिन फिर राजस्थान से गिरफ्तारियों और हिरासत की खबरें आने लगीं। मामला इतना बढ़ा कि अब पूरी परीक्षा ही रद्द करनी पड़ी। करीब 22 लाख छात्रों ने इस परीक्षा में हिस्सा लिया था। ऐसे में परीक्षा रद्द होने छात्रों में मायूसी जरूर है। आइए इस प्रकरण को विस्तार से समझते हैं। **फिर अचानक बदल गया पूरा मामला–** एनटीए के मुताबिक 7 मई की देर शाम उसे कुछ संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी मिली। अगले ही दिन यानी 8 मई को ये इनपुट दूसरी केंद्रीय एजेंसियों को भेज दिए गए। इसके बाद राजस्थान की स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप ने जांच शुरू की और कई लोगों को हिरासत में लिया। धीरे-धीरे सामने आया कि परीक्षा से पहले कथित गेस पेपर कुछ लोगों तक पहुंचा था। जांच एजेंसियों को शक है कि यह सिर्फ अनुमान वाला पेपर नहीं था, बल्कि असली प्रश्न पत्र से जुड़ी संवेदनशील जानकारी हो सकती थी। यहीं से पूरा मामला साधारण अफवाह से निकलकर बड़े पेपर लीक कांड में बदल गया।

जांच में सामने आए दो बड़े शक– जांच एजेंसियां फिलहाल दो संभावित रास्तों की जांच कर रही हैं। पहला शक यह है कि पेपर प्रिंटिंग के दौरान लीक हुआ। दूसरा शक पेपर सेटिंग से जुड़े लोगों पर है। सूत्रों के मुताबिक कुछ जगहों पर हाथ से लिखा हुआ प्रश्न पत्र जैसा मटेरियल मिला है। इससे जांच एजेंसियों को शक हुआ कि पेपर प्रिंटिंग स्टेज पर ही बाहर निकाला गया हो सकता है।

● **पहले एनटीए ने दी थी सफाई, कहा–सब कुछ सुरक्षित था–** विवाद बढ़ने के बाद नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए सामने आई और उसने दावा किया कि नीट यूजी 2026 को फुल सिक्योरिटी प्रोटोकॉल के तहत कराया गया था। एजेंसी ने कहा कि इस बार सुरक्षा के लिए हाई-टेक इंतजाम किए गए थे ताकि किसी भी तरह की नकल या पेपर लीक रोका जा सके। एनटीए के मुताबिक प्रश्न पत्र जीपीएस ट्रैकिंग वाले वाहनों से भेजे गए थे।

अब दोबारा परीक्षा होगी

एनटीए ने साफ कर दिया है कि छात्रों को फिर से आवेदन नहीं करना होगा। पुराना रजिस्ट्रेशन डेटा ही इस्तेमाल किया जाएगा। जिन परीक्षा केंद्रों का चयन पहले हुआ था, वे ही मान्य रहेंगे। एजेंसी ने यह भी कहा है कि दोबारा परीक्षा के लिए कोई अतिरिक्त फीस नहीं ली जाएगी और पहले जमा फीस वापस की जाएगी। नए एडमिट कार्ड बाद में जारी किए जाएंगे। फिलहाल नई परीक्षा तारीख का इंतजार किया जा रहा है।

अब पूरा फोकस सीबीआई जांच और री-एग्जाम पर

फिलहाल देशभर की नजर अब सीबीआई जांच पर टिकी हुई है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि कथित गेस पेपर आखिर कहां से निकला और इसके पीछे कौन लोग शामिल थे। दूसरी तरफ लाखों छात्र अब नई परीक्षा तारीख का इंतजार कर रहे हैं। इस पूरे विवाद ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि भारत की बड़ी प्रतियोगी परीक्षाएं सुरक्षित नहीं हैं।

डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रदेश बन रहा वाइल्डलाइफ कंजर्वेशन हब

● वाइल्डलाइफ संरक्षण, इको-टूरिज्म और रोजगार का उभरता हुआ केंद्र

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश ने वन और वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में ग्लोबल पहचान बनाई है। राज्य सरकार ने संरक्षण को केवल पर्यावरणीय दायित्व तक सीमित न रखते हुए उसे विकास, पर्यटन, स्थानीय रोजगार, सांस्कृतिक चेतना और सामुदायिक सहभागिता से जोड़कर व्यापक जनआंदोलन का स्वरूप दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की इसी दूरगामी सोच से मध्यप्रदेश आज 'टाइगर स्टेट' के साथ ही देश के सबसे व्यापक और वैज्ञानिक वन्यजीव संरक्षण मॉडल के रूप में उभरा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का विजन है कि प्रदेश के वन और नदियां केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि राष्ट्र की अमूल्य धरोहर हैं। मध्यप्रदेश के वन देश की अनेक प्रमुख नदियों का मायका हैं। इस तरह ये वन कई राज्यों की जल सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। इसी सोच के साथ राज्य सरकार जलवायु अनुकूल, विज्ञान आधारित और समुदाय केंद्रित वन प्रबंधन मॉडल को आगे बढ़ा रही है।

कूनो बना वाइल्डलाइफ कंजर्वेशन का ग्लोबल प्रयोगशाला– श्योपुर का कूनो नेशनल पार्क आज विश्व स्तर पर वन्यजीव संरक्षण का प्रतीक बन चुका है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रारंभ हुए 'प्रोजेक्ट चीता' को नई गति देते हुए मादा चीतों को खुले जंगल में छोड़कर परियोजना शुरू की है।

विलुप्त प्रजातियों की वापसी का अभियान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के कार्यकाल में चीतों के साथ ही कई दुर्लभ और विलुप्तप्राय प्रजातियों के संरक्षण और पुनर्स्थापन पर विशेष ध्यान दिया गया है। कान्हा टाइगर रिजर्व में असम के काजीरंगा नेशनल पार्क से लाए गए जंगली भैंसों का पुनर्वास इस दिशा में ऐतिहासिक पहल माना जा रहा है। यह प्रयास केवल एक प्रजाति को बसाने तक सीमित नहीं, बल्कि खो चुकी जैव-विविधता और पारिस्थितकी तंत्र को पुनर्जीवित करने का अभियान है। इसी प्रकार चंबल, कूनो और नर्मदा क्षेत्र में घड़ियाल, मगरमच्छ और कछुओं का संरक्षण जारी है।

असम-अमेरिका के बीच 'विन-विन' साझेदारी!

● सीएम हिमंता के शपथ ग्रहण समारोह में अमेरिकी राजदूत ने लगाए चार चांद

दिसपुर (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री के रूप में दूसरी बार शपथ लेने वाले मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के शपथ ग्रहण समारोह में अमेरिकी राजदूत की मौजूदगी ने भारत-अमेरिका संबंधों को लेकर नई चर्चा शुरू कर दी है। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने गुवाहाटी पहुंचकर शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लिया और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर असम और अमेरिका के बीच बढ़ते कारोबारी रिश्तों की खुलकर तारीफ की।

सर्जियो गोर ने अपने पोस्ट में लिखा कि उन्हें गुवाहाटी आकर मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने का मौका मिला। उन्होंने कहा कि अमेरिका और असम के बीच पहले से कई व्यापारिक संबंध हैं और एक बार फिर मुख्यमंत्री बने हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व में दोनों देशों के लिए 'विन-विन' अवसरों को फिर बनाया जाएगा। ऐसे समय में जब भारत का पूर्वोत्तर इलाका रणनीतिक और आर्थिक रूप से तेजी से उभर रहा है, इस लिहाज से अमेरिकी राजदूत की यह टिप्पणी काफी अहम मानी जा रही है।

ईस्ट भारत पर बढ़ रहा ग्लोबल फोकस

पिछले कुछ सालों में असम और पूरे पूर्वोत्तर भारत में इंफ्रास्ट्रक्चर, ऊर्जा, लॉजिस्टिक्स और कनेक्टिविटी के क्षेत्र में बड़े निवेश हुए हैं। केंद्र सरकार ने एक्ट ईस्ट पॉलिसी के तहत इस क्षेत्र को साउथ-ईस्ट एशिया से जोड़ने की रणनीति पर तेजी से काम किया है। यही वजह है कि अमेरिका समेत कई वैश्विक शक्तियां अब असम को केवल एक राज्य नहीं, बल्कि ईस्ट एशिया के बीच एक महत्वपूर्ण आर्थिक गलियारे के रूप में देखने लगी हैं।

ई-रिक्शा से अध्यक्ष, साइकिल से हाईकोर्ट पहुंचे जस्टिस

● नेता समर्थक कार से पहुंचे; पीएम ने पेट्रोल-डीजल का उपयोग कम करने की दी थी सलाह

भोपाल। प्रधानमंत्री के पेट्रोल-डीजल के कम उपयोग करने की अपील के बाद भोपाल में मध्य प्रदेश लघु उद्योग निगम के नवनियुक्त अध्यक्ष सत्येंद्र भूषण सिंह मंगलवार को पदभार ग्रहण करने के लिए ई-रिक्शा से, जबकि जबलपुर में जस्टिस साइकिल चलाकर हाई कोर्ट पहुंचे। हालांकि, सत्येंद्र भूषण सिंह भोपाल के अवधपुरी स्थित अपने निजी आवास से जब भाजपा कार्यालय के लिए निकले तो उनके समर्थक कार और बाइक से साथ चल रहे थे। मध्य प्रदेश खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के उपाध्यक्ष राकेश सिंह जादौन ने भी पदभार ग्रहण किया। उन्होंने कहा कि वे खुद केवल तीन लोगों के साथ ई-रिक्शा से भाजपा कार्यालय पहुंचे। बाकी कितने लोग गाड़ियों से आए, उन्हें जानकारी नहीं है। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर भी ई-स्कूटी से मंत्रालय पहुंचे। मध्य प्रदेश खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्ष पंकज जोशी, मध्य प्रदेश कुश समाज कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष प्रभु दयाल कुशवाहा ने भी अपना कार्यभार संभाला। गौरतलब है कि इजराइल-ईरान युद्ध के चलते बने वैश्विक हालात के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से पेट्रोल-डीजल का संयमित उपयोग करने और एक साल तक सोना नहीं खरीदने की अपील की है। साथ ही ईंधन बचाने के लिए सार्वजनिक परिवहन, कार पूलिंग और जरूरत पड़ने पर वर्कफ्रॉम होम को प्राथमिकता देने की बात कही है।

जबलपुर में हाईकोर्ट जस्टिस साइकिल से पहुंचे कोर्ट– वहीं मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के जस्टिस डीडी बंसल भी करीब 3 किलोमीटर साइकिल चलाकर हाई कोर्ट पहुंचे। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा– यह सोच गलत है कि हाई कोर्ट के जज साइकिल से नहीं जा सकते। उन्होंने कहा कि जहां तक संभव हो, सभी लोगों को साइकिल चलाकर पेट्रोल-डीजल की बचत करना चाहिए। उन्होंने इसे पर्यावरण और देशहित से जुड़ा विषय बताया।

अवैध सट्टे की चपेट में खकनार का भविष्य! सख्त अंकुश लगाने की उठी मांग

महेन्द्र मालवीय

रणजीत टाईम्स

बुरहानपुर जिले के खकनार थाना क्षेत्र के अंतर्गत पिछले कुछ समय से अवैध गतिविधियों के संचालन की चर्चाएं आम हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, क्षेत्र में सक्रिय कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा कथित तौर पर सट्टे का अवैध कारोबार संचालित किया जा रहा है, जिससे स्थानीय ग्रामीणों में भारी असंतोष व्याप्त है।

ग्रामीणों ने जताई चिंता

क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिकों और ग्रामीणों का कहना है कि सट्टे जैसी सामाजिक बुराई के कारण युवाओं और गरीब परिवारों पर बुरा असर पड़ रहा है।

ग्रामीणों के अनुसार, वे समय-समय पर इस मुद्दे को लेकर अपनी चिंताएं जाहिर कर चुके हैं, लेकिन स्थिति में अपेक्षित सुधार देखने को नहीं मिल रहा है।

कार्यप्रणाली पर उठ रहे सवाल-

क्षेत्र में चर्चा है कि पुलिस द्वारा समय-समय पर कार्रवाई तो की जाती है, लेकिन वह इस अवैध कारोबार की कमर तोड़ने में नाकाफी साबित हो रही है। स्थानीय लोगों का मानना है कि कार्रवाई केवल छोटे स्तर तक सीमित रहती है। अवैध सट्टे कारोबारी पर स्थायी रूप से लगाम नहीं लग पा रही है। प्रशासनिक सख्ती के दावों के बावजूद धरातल पर सट्टे का खेल चर्चा का विषय बना हुआ है। खकनार सट्टा कारोबार हब बनाते जा रहा है जिन पर पुलिस भी अंकुश नहीं लगा पा रही है।

जिम्मेदारों की भूमिका पर नजर

हालांकि, खकनार थाना पुलिस द्वारा समय-समय पर सट्टा एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किए जाते हैं, जिसे विभाग अपनी सक्रियता बताता है। परंतु, स्थानीय जनता का तर्क है कि जब तक इस नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त नहीं किया जाता, तब तक इन छोटी कार्रवाइयों को केवल औपचारिकता या 'खानापूर्ति' ही माना जाएगा क्योंकि जिन पर कार्यवाही होना चाहिए वो बिना किसी से डरे अपना कारोबार बढ़ाते जा रहे हैं।

आखिर इन पर कार्यवाही क्यों नहीं हो पा रही है ऐसा लगता है जैसे पुलिस से ज्यादा अवैध कारोबारियों की पकड़ मजबूत है ओर अगर ऐसा नहीं है तो अभी तक पुलिस इन पर अंकुश लगाने में नाकाम क्यों है सवाल कई है जिनके जवाब मिलना शायद बहुत मुश्किल है।

इंदौर प्रेस क्लब में आकांक्षा योजना को लेकर कांग्रेस नेताओं की प्रेस वार्ता

खुशबू श्रीवास्तव

"हम पढ़ने आए थे, संघर्ष करने नहीं" — छात्रों ने व्यवस्था पर उठाए सवाल इंदौर। Indore Press Club में आयोजित प्रेस वार्ता में आकांक्षा योजना के अंतर्गत नीट की तैयारी कर रहे छात्र-छात्राओं की समस्याओं को लेकर युवा कांग्रेस एवं कांग्रेस सेवादल नेताओं ने प्रदेश सरकार, संबंधित अधिकारियों और संस्थान प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाए। प्रेस वार्ता में युवा कांग्रेस के पूर्व कार्यवाहक

अध्यक्ष निखिल वर्मा, जिला कांग्रेस सेवादल कार्यवाहक अध्यक्ष विवेक खंडेलवाल, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष गिरीश जोशी एवं एनएसयूआई उपाध्यक्ष संदीप पाटोदे मौजूद रहे।

नेताओं ने कहा कि सरकार द्वारा बड़े-बड़े वादों और विज्ञापनों के जरिए गरीब एवं वंचित वर्ग के विद्यार्थियों को डॉक्टर बनने के सपने दिखाए गए, लेकिन जमीनी स्तर पर छात्रों को सुविधाओं के नाम पर केवल उपेक्षा, अव्यवस्था और अपमान मिला।

प्रेस वार्ता के दौरान नेताओं ने कहा, "हम पढ़ने आए थे, संघर्ष करने नहीं, लेकिन व्यवस्था की लापरवाही ने छात्रों को आंदोलन के लिए मजबूर कर दिया।" नेताओं ने आरोप लगाया कि आकांक्षा योजना का उद्देश्य प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को आगे बढ़ाना था, लेकिन आज वही छात्र अपने अधिकारों और भविष्य को बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। छात्रों की समस्याओं को विस्तार से रखते हुए बताया गया कि नीट की तैयारी के लिए योग्य और विषय विशेषज्ञ शिक्षकों की पर्याप्त व्यवस्था नहीं की गई। आरोप लगाया गया कि विद्यार्थियों को ऐसे शिक्षकों से पढ़ाया गया जिन्हें मेडिकल प्रवेश परीक्षा स्तर की तैयारी का पर्याप्त अनुभव नहीं था। इसके चलते 11वीं कक्षा का पूरा सिलेबस मई माह तक भी पूरा नहीं हो सका, जिससे विद्यार्थियों में मानसिक तनाव और भविष्य को लेकर असुरक्षा की स्थिति बन गई है। नेताओं ने यह भी कहा कि यदि जल्द समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो छात्र अपनी शिकायत सीधे मुख्यमंत्री तक पहुंचाएंगे और आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

अपर कलेक्टर द्वारा सिंहपुर एवं बोडरी ग्राम में जनगणना कार्य का हुआ निरीक्षण

प्रदीप सिंह बघेल

शहडोल। अपर कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी श्री सरोधन सिंह ने ग्राम सिंहपुर एवं बोडरी में जनगणना कार्य का निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों द्वारा किए जा रहे मकान सूचीकरण एवं मकान गणना कार्य का जायजा लिया तथा निर्धारित प्रारूप के अनुसार गुणवत्तापूर्ण एवं समयसीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर ने कहा कि जनगणना शासन की महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जिसके आधार पर विभिन्न विकास योजनाओं का निर्माण एवं प्रभावी क्रियान्वयन किया जाता है। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक परिवार की जानकारी सावधानीपूर्वक दर्ज की जाए तथा कार्य में किसी प्रकार की त्रुटि न हो।

अपर कलेक्टर ने ग्रामीणों से चर्चा करते हुए जनगणना कार्य में सहयोग करने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि सही जानकारी उपलब्ध कराने से शासन की योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक बेहतर तरीके से पहुंच सकेगा। इस अवसर पर संबंधित विभागीय अधिकारी, पर्यवेक्षक एवं प्रगणक उपस्थित रहे।

पेड़ की अबैध कटाई बनी जानलेवा पेड़ की चपेट में आने से बुजुर्ग की मौत

प्रदीप सिंह बघेल

शहडोल जिले में अवैध पेड़ कटाई अब लोगों की जान पर भारी पड़ने लगी है। गोहपारू थाना क्षेत्र के चोरमरा गांव में पेड़ काटने के दौरान अचानक विशालकाय पेड़ गिर गया, जिसकी चपेट में आने से एक बुजुर्ग की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है, वहीं खुलेआम हो रही अवैध कटाई को लेकर वन विभाग की कार्यप्रणाली

पर भी सवाल खड़े होने लगे हैं। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार को चोरमरा गांव में कुछ लोग पेड़ काटने का काम कर रहे थे। इसी दौरान अचानक एक भारी भरकम पेड़ अनियंत्रित होकर हीरा लाल साहू (60 वर्ष) के ऊपर गिर पड़ा। पेड़ के नीचे दबने से वह गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद साथियों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।

घटना के बाद साथियों ने मृतक के परिजनों को सूचना दी। मामले की जानकारी मिलते ही गोहपारू थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। मर्ग कायम कर मामले की विवेचना की जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में लंबे समय से जंगलों में अवैध कटाई का काम जारी है, लेकिन जिम्मेदार विभाग कार्रवाई करने के बजाय मौन बना हुआ है। यही वजह है कि लगातार इस तरह की घटनाएं सामने आ रही हैं। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले जैतपुर थाना क्षेत्र में भी इसी तरह का मामला सामने आया था, जहां अवैध कटाई के दौरान एक व्यक्ति पेड़ के नीचे दब गया था और उसकी मौत हो गई थी। लगातार हो रहे हादसों के बाद अब वन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं।

रणजीत टाइम्स

राऊ–देवास बायपास पर गौ तस्करों के अवैध अड्डे पर छापा, दो गौवंशों को बचाया

इंदौर। राऊ–देवास बायपास क्षेत्र में गौ रक्षकों की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से दो गौवंशों की जान बच गई। जानकारी के अनुसार 11 मई 2026 की रात करीब 1 बजे से सुबह 4 बजे तक चली इस कार्रवाई में गौ रक्षकों ने एक अवैध अड्डे पर दबिश देकर गौ तस्करों के मंसूबों को नाकाम कर दिया। बताया जा रहा है कि गौ रक्षकों को गुप्तचर के माध्यम से सूचना मिली थी कि राऊ–देवास बायपास स्थित एक स्थान पर गौ तस्करों द्वारा गौवंश को अवैध रूप से रखा गया है और उन्हें कत्लखाने ले जाने की तैयारी की जा रही है। सूचना मिलते ही गौ रक्षक तत्काल सक्रिय हुए और पूरी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। वहां पहुंचकर उन्होंने देखा कि दो गौवंश अत्यंत दयनीय हालत में पड़े हुए थे। तस्करों ने उनके पैर और मुंह बांध रखे थे, जिससे वे हिल-डुल भी नहीं पा रहे थे।

गौ रक्षकों ने बिना देर किए दोनों गौवंशों को मुक्त कराया और सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। इस दौरान मौके पर मौजूद तस्कर अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकले। घटना के बाद क्षेत्र में काफी देर तक हलचल का माहौल बना रहा।

गौ रक्षकों का कहना है कि शहर और आसपास के क्षेत्रों में इस तरह के अवैध अड्डे लगातार संचालित हो रहे हैं, जहां गौ तस्करी जैसी गतिविधियों को अंजाम दिया जाता है। उन्होंने प्रशासन और पुलिस से मांग की है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपियों की जल्द पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। साथ ही ऐसे अवैध अड्डों पर लगातार निगरानी रखी जाए, ताकि भविष्य में गौ तस्करी की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाई जा सके।

काले हीरे के अबैध कारोबार पर पुलिस सख्त JCB सहित ट्रैक्टर टाली जब्त

प्रदीप सिंह बघेल

शहडोल। आदिवासी बाहुल्य शहडोल जिले में धरती के नीचे दफन ब्लैक डायमंड यानी कोयले का काला कारोबार लगातार फैलता जा रहा है। कोल माफिया जंगल और सुनसान इलाकों में गुफानुमा खतरनाक गड्ढे

खोदकर अवैध उत्खनन कर रहे हैं। इसी काले कारोबार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए बुढार पुलिस ने जमुनिहा नाला क्षेत्र में छापेमारी कर अवैध कोयला उत्खनन का भंडाफोड़ किया है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने करीब 30 लाख रुपए का मशरूका कोयला, एक जेसीबी और ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त की जानकारी के मुताबिक, बुढार थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम लालपुर जमुनिहा नाला में लंबे समय से अवैध कोयला उत्खनन और परिवहन का खेल चल रहा था, मुखबिर से सूचना मिलने के बाद बुढार पुलिस ने योजनाबद्ध तरीके से इलाके में दबिश दी, पुलिस की रेड पड़ते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई और अवैध कारोबार में लगे लोग भाग निकले, मौके पर पुलिस को भारी मात्रा में अवैध कोयला मिला, जिसकी कीमत करीब 30 लाख रुपए आंकी जा रही है। साथ ही अवैध उत्खनन में इस्तेमाल की जा रही एक जेसीबी मशीन और ट्रैक्टर-ट्रॉली भी जब्त की गई है। पुलिस ने वाहन मालिकों और अवैध कारोबार से जुड़े लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बताया जा रहा है कि क्षेत्र में गुफानुमा खतरनाक खदानें बनाकर धरती के नीचे से कोयला निकाला जा रहा था, ये अवैध खदानें न सिर्फ गैरकानूनी थीं, बल्कि कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकती थीं। फिलहाल बुढार पुलिस पूरे नेटवर्क की जांच में जुटी हुई है। इस कार्रवाई के बाद इलाके में सक्रिय कोल माफियाओं में हड़कंप मच गया है। वहीं इस मामले में बुढार थाना प्रभारी विनय सिंह गहरवार ने जानकारी देते हुए बताया कि थाना क्षेत्र के जमुनिहा नाला से कोयले का अवैध उत्खनन कर परिवहन पर कार्रवाई करते हुए एक जेसीबी और एक ट्रैक्टर जब्त कर दोनों वाहन मालिकों के खिलाफ कार्रवाई की है।

पति की 'संदिग्ध मौत' पर शिवपुरी में बवाल: दतिया पुलिस पर रसूखदारों को बचाने का आरोप, बिलखती विधवा ने एसपी ऑफिस में लगाई न्याय की गुहार

प्रदीप सिंह बघेल

शिवपुरी। एक तरफ खाकी 'न्याय' का दम भरती है, तो दूसरी तरफ एक बेबस विधवा के आंसू पुलिसिया कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर रहे हैं। शिवपुरी की गणेश कॉलोनी (फतेहपुर) निवासी एक महिला मंगलवार को अपने मासूम बच्चों और बुजुर्ग सास के साथ एसपी दफ्तर पहुंची। महिला का आरोप है कि उसके पति की हत्या को 'हादसा' बताकर दतिया पुलिस रसूखदारों को संरक्षण दे रही है।

क्या है पूरा मामला?

पीड़िता के पति का शव कुछ समय पहले दतिया जिले के गौराघाट थाना क्षेत्र में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला था। पत्नी का साफ कहना है कि यह कोई सामान्य मौत नहीं, बल्कि सोची-समझी साजिश के तहत की गई हत्या है। पीड़िता ने अपनी शिकायत में कुछ स्थानीय प्रभावशालियों के नाम भी उजागर किए हैं, लेकिन पुलिस की जांच की फाइल आगे बढ़ने का नाम नहीं ले रही है।

"साहब! हत्यारे खुलेआम घूम रहे हैं"

एसपी ऑफिस में अधिकारियों के सामने अपना दुखड़ा सुनाते हुए महिला फूट-फूटकर रो पड़ी। पीड़िता ने पुलिस पर निम्नलिखित आरोप लगाए हैं: राजनीतिक रसूख का दबाव: पीड़िता का दावा है कि आरोपी आर्थिक और सामाजिक रूप से संपन्न हैं, जिसके कारण गौराघाट पुलिस उन पर हाथ डालने से कतरा रही है। केस वापसी की धमकियां: आरोप है कि खुलेआम घूम रहे आरोपी अब पीड़िता पर मामला रफा-दफा करने का दबाव बना रहे हैं और जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। आश्वासन की घुट्टी: शिवपुरी से दतिया तक के चक्कर काटने के बाद भी पुलिस केवल जांच का भरोसा दे रही है, जबकि धरातल पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। "मेरे बच्चों के सिर से पिता का साया उठ गया, घर में खाने के लाले पड़े हैं और पुलिस तमाशबीन बनी हुई है। अगर हमें न्याय नहीं मिला, तो मैं उग्र कदम उठाने को मजबूर होऊंगी।" पीड़िता, गणेश कॉलोनी निवासी पुलिस प्रशासन की भूमिका पर सवाल दतिया और शिवपुरी पुलिस के बीच उलझा यह मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। एक तरफ जहां शिवपुरी एसपी कार्यालय में ज्ञापन सौंपकर निष्पक्ष जांच की मांग की गई है, वहीं दूसरी तरफ गौराघाट पुलिस की 'चुप्पी' संदेह के घेरे में है। अब देखना यह होगा कि क्या वरिष्ठ अधिकारी इस मामले में हस्तक्षेप कर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाते हैं या फिर 'रसूख' के आगे एक बार फिर कानून लाचार नजर आएगा।

सामाजिक सरोकारों पर हुई विशेष चर्चा, नगर मंत्री नेहा शर्मा से मिलीं पत्रकार रेणु कैथवास

इंदौर। आयुष लोक कल्याण संस्था में रणजीत टाइम्स की पत्रकार रेणु कैथवास की नगर मंत्री नेहा शर्मा जी से विशेष एवं सौहार्दपूर्ण मुलाकात हुई। इस अवसर पर सामाजिक गतिविधियों, महिला सशक्तिकरण तथा पत्रकारिता के माध्यम से समाजहित में किए जा रहे कार्यों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

मुलाकात के दौरान दोनों ने समाज में सकारात्मक बदलाव लाने और जनहित से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाने की आवश्यकता पर

अपने विचार साझा किए। इस दौरान रणजीत टाइम्स चैनल की ओर से नेहा शर्मा जी का सम्मान किया गया। वहीं नेहा शर्मा जी ने भी पत्रकार रेणु कैथवास का सम्मान करते हुए रणजीत टाइम्स समाचार पत्र एवं उसके सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में ऐसी पत्रकारिता की आवश्यकता है, जो समाज और आमजन से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से सामने लाए और सकारात्मक सोच को बढ़ावा दे। नेहा शर्मा जी ने कहा कि महिलाएं यदि सही मार्गदर्शन, आत्मविश्वास और मजबूत नेतृत्व के साथ आगे बढ़ें, तो वे हर क्षेत्र में अपनी अलग पहचान स्थापित कर सकती हैं। उन्होंने महिलाओं से सामाजिक, शैक्षणिक और जनहित के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान भी किया। साथ ही भविष्य में भी समाजसेवा और जनकल्याण से जुड़े कार्यों में सहयोग देने की बात कही। यह विशेष मुलाकात सामाजिक एकता, महिला शक्ति और सकारात्मक पत्रकारिता का प्रेरणादायी संदेश देने वाली रही। कार्यक्रम के दौरान मौजूद लोगों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए एक सकारात्मक प्रयास बताया।

अंतरमन की मौन क्रांति-सहजयोग

श्री माताजी निर्मला देवी के अनुसार "सहजयोग" केवल ध्यान की एक साधना नहीं, बल्कि मानव चेतना के जागरण का एक दिव्य माध्यम है। उन्होंने अपने प्रवचनों में बताया कि प्रत्येक मनुष्य के भीतर एक सूक्ष्म आध्यात्मिक शक्ति विद्यमान है, जिसे "कुंडलिनी" कहा जाता है। यह शक्ति जब जागृत होती है, तब व्यक्ति अपने वास्तविक स्वरूप अर्थात आत्मा का अनुभव करता है। इसी अनुभव को आत्मसाक्षात्कार कहा गया है। "अंतरमन की मौन क्रांति" इसी आत्मजागरण की वह प्रक्रिया है, जिसमें मनुष्य बिना किसी बाहरी संघर्ष, प्रदर्शन या कठोर तपस्या के भीतर से रूपांतरित होने लगता है।

यह क्रांति मौन इसलिए है क्योंकि इसका परिवर्तन बाहरी शोर में नहीं, बल्कि मन और चेतना की गहराइयों में घटित होता है। श्री माताजी कहती थीं कि आधुनिक युग का मनुष्य विज्ञान, तकनीक और भौतिक उपलब्धियों में तो अत्यंत प्रगति कर चुका है, परंतु मानसिक शांति और आत्मिक संतुलन से दूर होता जा रहा है। जीवन की भागदौड़, तनाव, भय, क्रोध, असुरक्षा और प्रतिस्पर्धा ने मनुष्य को भीतर से अशांत कर दिया है। ऐसे समय में सहजयोग व्यक्ति को अपने भीतर लौटने का मार्ग दिखाता है। जब साधक ध्यान के माध्यम से निर्विचार समाधि की अवस्था में पहुँचता है, तब उसके विचार शांत होने लगते हैं और वह वर्तमान क्षण में स्थित होकर गहरे आनंद तथा शांति का अनुभव करता है। श्री माताजी के अनुसार यही वह अवस्था है जहाँ से वास्तविक परिवर्तन प्रारंभ होता है, क्योंकि मनुष्य अपने अहंकार और मानसिक भ्रमों से ऊपर उठकर सत्य को अनुभव करने लगता है।

सहजयोग किसी एक धर्म, जाति, राष्ट्र या संप्रदाय तक सीमित नहीं है। यह सम्पूर्ण मानवता के लिए एक सार्वभौमिक आध्यात्मिक पथ है। श्री माताजी का विश्वास था कि सभी धर्मों का सार एक ही है-आत्मा की शुद्धता और परमात्मा से एकत्व।

सहजयोग उसी एकत्व को प्रत्यक्ष अनुभव के रूप में स्थापित करता है। उनके शब्दों में, "धर्म कोई बाहरी पहचान नहीं, बल्कि हमारे भीतर की जागृत चेतना है।" "अंतरमन की मौन क्रांति" का प्रभाव केवल व्यक्तिगत स्तर तक सीमित नहीं रहता। जब किसी व्यक्ति के भीतर शांति, प्रेम और संतुलन स्थापित होता है, तब उसका व्यवहार परिवार, समाज और आसपास के वातावरण को भी सकारात्मक रूप से प्रभावित करने लगता है। सहजयोग के माध्यम से व्यक्ति में करुणा, क्षमा, सहनशीलता और सामूहिकता की भावना विकसित होती है। वह दूसरों को प्रतिस्पर्धी नहीं, बल्कि अपने ही अस्तित्व का हिस्सा समझने लगता है। इस प्रकार सहजयोग मानव समाज में एक ऐसे परिवर्तन का आधार बनता है, जहाँ बाहरी संघर्षों के स्थान पर आपसी समझ, प्रेम और शांति का वातावरण निर्मित हो सके। श्री माताजी ने यह संदेश दिया कि सच्चा परिवर्तन किसी बाहरी व्यवस्था से नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर से प्रारंभ होता है। उन्होंने कहा था, "यदि दीपक के भीतर ही प्रकाश न हो, तो वह संसार को कैसे प्रकाशित करेगा?" सहजयोग उसी आंतरिक प्रकाश को जागृत करने की प्रक्रिया है। यह मनुष्य को स्वयं से जोड़कर उसे आत्मविश्वास, विवेक और आध्यात्मिक संतुलन प्रदान करता है। इस प्रकार "अंतरमन की मौन क्रांति" केवल एक आध्यात्मिक विचार नहीं, बल्कि मानव जीवन को शांति, प्रेम, सत्य और सामूहिक चेतना की दिशा में ले जाने वाली एक गहन और जीवंत प्रक्रिया है। सहजयोग ध्यान पूर्णतः निःशुल्क है। सहजयोग की अधिक जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 से प्राप्त कर सकते हैं।

राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष जीतू रघुवंशी ने निःशुल्क विवाह सम्मेलन में 14 कन्याओं को सिलाई मशीन सप्रेम भेंट की

ऋषि गोस्वामी

शिवपुरी - शिवपुरी में आयोजित झा/ओझा समाज का 14 जोड़ों का द्वितीय निःशुल्क आदर्श सामूहिक विवाह सम्मेलन ओझा समाज युवक मंडल मध्य प्रदेश (रजि.) समिति के द्वारा भव्यतापूर्ण आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष जितेंद्र रघुवंशी (जीतू) ने सम्मिलित होकर वधु-पक्ष की कन्याओं के लिए उपहार स्वरूप 14 सिलाई मशीन सप्रेम भेंट की। समिति के लोगों ने मुख्य अतिथि का तिलक लगाकर, माल्यार्पण के साथ श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत अभिनंदन किया। इस शुभ अवसर पर समिति के प्रदेश अध्यक्ष बबलेश ओझा (राज), मनोज ओझा, मुनेश झा, टिंकल झा, एड.कृष्णकांत झा, गोविंद ओझा, सोनू ओझा, प्रदीप ओझा, अभिषेक ओझा,रविन्द्र ओझा, राजू ओझा ,नीरज ओझा, सत्येंद्र झा, अनुज झा, अरविंद ओझा एवं सम्मेलन समिति के अध्यक्ष नंदकिशोर ओझा, रामगोपाल ओझा, रामदयाल झा, मथुरा प्रसाद झा, जगदीश झा, हरगोविंद ओझा, मांगीलाल ओझा, बृजमोहन ओझा, डॉ.पहलवान सिंह ओझा, पं.आचार्य महेश झा, मातादीन ओझा, रामकुमार ओझा, अनिल ओझा (अन्नू), अरुण विश्वकर्मा , दीप ओझा , महिला मंडल से श्रीमती सुषमा ओझा, श्रीमती राधा ओझा , श्रीमती नीतू झा आदि लोगों ने सम्मेलन में अपना सहयोग प्रदान किया ।

आबकारी इंदौर की कार्यवाही

आदित्य शर्मा

इंदौर। कलेक्टर महोदय जिला-इंदौर , श्रीमान शिवम वर्मा जी के आदेश एवं सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी जी के द्वारा दिये निर्देशानुसार तथा *कंट्रोलर महोदय देवेश चतुर्वेदी,डिप्टी कंट्रोलर मनोज अग्रवाल एवं सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री जय सिंह ठाकुर * के नेतृत्व में दिनांक-12/05/2026 को वृत्त- सांवेर प्रभारी उप निरीक्षक त्रिअंबिका शर्मा की टीम के द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर अवैध मदिरा के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की गई। आज की कार्यवाही में मुखबिर से प्राप्त सूचना

के आधार पर शिप्रा रोड स्थित पप्पू ढाबा की तलाशी लेने पर एक सफेद रंग के बोरे में कुल 44 क्वार्टर देसी मदिरा प्लेन व मसाला के बरामद हुए(कुल 7.92 बल्क लीटर) । आरोपी शुभम पिता मुकेश सुनवानिया उम्र 24 वर्ष निवासी-शिप्रा तह- सांवेर को पकड़ा गया जिनके विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 36 का प्रकरण पंजीबद्ध किया गया ।आरोपी द्वारा बताया की वह देवास जिले से मदिरा लाता है एवं ढाबे से विक्रय करता है। इसमें अन्य व्यक्तियो के शामिल होने की शंका है। विवेचना अभी जारी है । आज की कार्यवाही में आरक्षक संजय सिंगार,अंकित लोधवाल और ड्राइवर करण का सराहनीय योगदान रहा।

सचिन सोलंकी बने थाटीपुर ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष

दिव्यानंद अर्गल

ग्वालियर । ग्वालियर जिले में संगठन विस्तार की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी की मंशा और राजीव गांधी पंचायती राज संगठन की प्रदेश अध्यक्ष मोना कौरव व ग्वालियर पूर्व विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ विधायक डॉ. सतीश सिकरवार की सहमति और अनुशंसा पर ब्लॉक स्तर पर महत्वपूर्ण नियुक्तियां की गई हैं।

संगठन द्वारा जारी आधिकारिक सूचना के अनुसार, ग्वालियर पूर्व विधानसभा के अंतर्गत आने वाले थाटीपुर ब्लॉक के अध्यक्ष पद पर सचिन सोलंकी को नियुक्त किया गया है। पार्टी नेतृत्व ने सोलंकी की सक्रियता और संगठन के प्रति समर्पण को देखते हुए उन्हें यह बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। विधायक डॉ. सिकरवार ने इस नियुक्ति पर विश्वास जताया है कि नवनियुक्त पदाधिकारी क्षेत्र में कांग्रेस की विचारधारा और नीतियों को जन-जन तक पहुँचाने का कार्य करेंगे। वहीं सचिन सोलंकी आगामी समय में संगठन को धरातल पर और अधिक मजबूत बनाने तथा कार्यकर्ताओं को एकजुट करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष ने शीर्ष नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा कि वे पूरी निष्ठा के साथ कांग्रेस की रीति-नीति को आगे बढ़ाने और संगठन को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का प्रयास करेंगे।

कलेक्टर शिवम वर्मा ने संवेदनशील होकर आमजन की समस्याएं सुनकर किया त्वरित निराकरण

आदित्य शर्मा

इंदौर। जनसुनवाई में मिली किसी को शिक्षा तो किसी को चिकित्सा सहायता, कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने बढ़ाया मदद का हाथ इंदौर कलेक्टर कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई एक बार फिर आमजन के लिए राहत का सशक्त माध्यम बनी। जनसुनवाई में पहुंचे विभिन्न आवेदकों की समस्याओं को कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने गंभीरता से सुना तथा संबंधित मामलों में तत्काल कार्रवाई करते हुए सहायता उपलब्ध कराई। प्रशासन की संवेदनशील कार्यशैली से लाभान्वित हितग्राहियों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के प्रति आभार व्यक्त किया।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने जनसुनवाई में पहुंचे राऊ निवासी प्रतिभावान विद्यार्थी यश कालमे को साईकल प्रदान की।

यश ने बताया कि वह बीजलपुर के शासकीय विद्यालय में अध्ययन करता है तथा उसका निवास राऊ है। घर से विद्यालय की दूरी लगभग 8 किलोमीटर होने के कारण मुझे प्रतिदिन आने-जाने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, अपनी समस्या को जनसुनवाई में कलेक्टर के समक्ष रखा। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने तुरंत ही उसकी स्थिति को समझते हुए तत्काल साइकिल प्रदान करने के निर्देश दिए। आज ही साइकिल प्राप्त होने पर विद्यार्थी यश कालमे की खुशी का ठिकाना

नहीं रहा। उसने इस मदद के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं कलेक्टर श्री शिवम वर्मा का आभार व्यक्त किया।

जनसुनवाई में एक अन्य प्रकरण में श्रीमती सुजाता मकवाना अपनी अंकसूची प्राप्त करने में आ रही समस्या को लेकर जनसुनवाई में पहुंचीं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2017 में कक्षा 10वीं की परीक्षा देने के बाद अंतिम फीस की किश्त जमा नहीं कर पाने के कारण उन्हें अंकसूची नहीं मिल सकी। बाद में विवाह हो जाने के कारण भी वह इस प्रक्रिया को पूरा नहीं कर पाईं। जनसुनवाई में प्रकरण सामने आने पर कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। साथ ही उन्हें 10 हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान करने के भी निर्देश दिए। श्रीमती सुजाता मकवाना ने शासन-प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

इसी प्रकार जनसुनवाई में पहुंचे श्री ललित मालवीय ने बताया कि एक दुर्घटना में घायल होने के बाद उनके शरीर का निचला हिस्सा पूरी तरह काम करना बंद कर चुका है। मेरी आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण उपचार कराने में कठिनाई आ रही है। जनसुनवाई में अपनी समस्या रखने पर कलेक्टर श्री शिवम वर्मा द्वारा उनके उपचार के लिए विशेष आधुनिक चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। यह सहायता मिलने पर श्री ललित मालवीय ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव एवं कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के प्रति आभार व्यक्त किया। एक अन्य प्रकरण में श्रीमती सुधा शिंदे अपनी स्वर्गीय माताजी छोटी बाई शिंदे की पेंशन संबंधी समस्या लेकर जनसुनवाई में पहुंचीं। उन्होंने बताया कि उनकी माताजी पूर्व निगमकर्मी थीं, लेकिन पेंशन प्रक्रिया लंबित होने के कारण परिवार को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। मामले को सुनने के बाद कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने तत्काल सहायता स्वरूप 15 हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए और पेंशन प्रकरण के निराकरण के भी आदेश दिए। श्रीमती सुधा शिंदे ने प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने आमजन से प्रत्यक्ष संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में विभिन्न विभागों से संबंधित बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त हुए, जिन पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में कई आवेदन प्राप्त हुए जिसमें मुख्य रूप में प्लॉट, संपत्ति, पारिवारिक विवाद, चिकित्सा सहायता और रोजगार से जुड़े प्रकरण रहे। जनसुनवाई में सभी विभागीय अधिकारियों और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, अपर कलेक्टर श्री नवजीवन विजय पंवार, श्री रोशन राय, श्री रिंकेश वैश्य ने भी जनसुनवाई में नागरिकों की समस्याओं को सहानुभूति के साथ सुना और उनका निराकरण किया।

जनसुनवाई में 65 आवेदन प्राप्त, आयुक्त ने दिए त्वरित निराकरण के निर्देश

आदित्य शर्मा

इंदौर। नगर निगम मुख्यालय में आयोजित जनसुनवाई में आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल ने नागरिकों की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई के दौरान राजस्व, भवन अनुज्ञा, स्वास्थ्य, सीवरेज, जनकार्य, मार्केट एवं अन्य विभागों से जुड़े कुल 65 आवेदन प्राप्त हुए। आयुक्त ने सभी विभागीय अधिकारियों को आवेदनों का नियमानुसार त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में अपर आयुक्त, उपायुक्त, सहायक आयुक्त, अधीक्षण यंत्री एवं विभाग प्रमुख उपस्थित रहे।

आबकारी इंदौर की कार्यवाही

आदित्य शर्मा

कलेक्टर महोदय जिला-इंदौर , श्रीमान शिवम वर्मा जी के आदेश एवं सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी जी के द्वारा दिये निर्देशानुसार आज दिनांक 12/05/2026 को नियंत्रण कक्ष प्रभारी श्री देवेश चतुर्वेदी जी उप प्रभारी श्री मनोज अग्रवाल जी के मार्गदर्शन में सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री अशोक खत्री श्री गोपाल यादव,श्री जहांगीर खान श्री धर्मेंद्र जोशी श्री सी के साहू श्री पवन टिकेकर श्री कमलेश सोलंकी के नेतृत्व में जिला इंदौर के आबकारी स्टाफ ने वृत्त महू ब में विभिन्न स्थानों पर अवैध मदिरा के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की गई ।

आज महू के भौंडिया तालाब,गवली पलासिया ,बंजारी,भाटखेड़ी व अन्य स्थानों पर दबिश दी गयी। आज की कार्यवाही में

कुल 10 छापों में 8 प्रकरण आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34 (1) क व 34(f) के तहत पंजीबध्द किये गये। आज की कार्यवाही में 210 लिटर हाथ भट्टी मदिरा व 1800 kg महुआ लहान सैंपल लेकर मोके पर नष्ट किया गया ।

मदिरा,महुआ लहान व सामग्री का कुल बाज़ार मूल्य लगभग 222000/- रुपए है। आज की कार्यवाही आबकारी उपनिरीक्षक सुनील मालवीय,मीना माल,मीरा सिंह, त्रिअंबिका शर्मा, कृतिका द्विवेदी जया मुजाल्दे, के द्वारा की गई उक्त की गई कार्यवाही में आबकारी आरक्षक हुकुम सिंह पंवार,ओमप्रकाश राठौर, अरविंद शर्मा,कोमल कनेल,ऐलन बघेल, हेमा धुर्वे,परमजीत,विक्रम यादव शुभम गोड़ आदि का सराहनीय योगदान रहा।

दिग्विजय सिंह की 24 साल पुरानी नोटशीट बनी मुसीबत

मुख्य सूचना आयुक्त ने मांगी फाइल, अफसरों को किया तलब; रीवा की अनुदान प्राप्त स्कूल का मामला

भोपाल (नप्र)। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह द्वारा वर्ष 2002 में लिखी गई एक नोटशीट अब स्कूल शिक्षा विभाग के लिए परेशानी का कारण बन गई है। रीवा जिले के एक अनुदान प्राप्त विद्यालय से जुड़ी इस नोटशीट की जानकारी विभाग आरटीआई में उपलब्ध नहीं करा पाया, जिसके बाद मुख्य सूचना आयुक्त ने मंत्रालय से लेकर जिला स्तर तक के अधिकारियों को भोपाल तलब कर लिया है। मामला रीवा जिले की त्यौंथर तहसील स्थित जनता हायर सेकेंडरी स्कूल मांगी से जुड़ा है। राज्य सूचना आयोग में मुख्य सूचना आयुक्त विजय यादव ने मंगलवार को इस प्रकरण की सुनवाई करते हुए स्कूल शिक्षा विभाग के मंत्रालय के अधिकारियों, लोक शिक्षण आयुक्त और जिला शिक्षा अधिकारी सहित अन्य जिम्मेदार अफसरों को उपस्थित होने के निर्देश दिए।

सरकारी घोषित करने के दिए थे निर्देश- दरअसल, तत्कालीन मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने 3 अप्रैल 2002 को नोटशीट क्रमांक 1240/02 पर टीप लिखते हुए कहा था कि जनता उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मांगी वर्ष 1973 से संचालित है और क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए इसका शासकीय होना आवश्यक है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को विद्यालय को शासकीय घोषित करने के आदेश जारी करने के निर्देश दिए थे। बताया जाता है कि उस समय के स्कूल शिक्षा मंत्री और प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा ने भी इस नोटशीट पर सहमति जताते हुए हस्ताक्षर किए थे। हालांकि अब विभाग इस महत्वपूर्ण नोटशीट और उससे जुड़ी फाइल का रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं करा पा रहा है।

आरटीआई के तहत मांगी थी जानकारी

विद्यालय में पदस्थ रहे सेवानिवृत्त शिक्षक तुंगनाथ द्विवेदी ने आरटीआई के तहत इस फाइल की जानकारी मांगी थी। आरोप है कि विभाग ने पहले जानकारी नहीं दी, जिसके बाद मामला राज्य सूचना आयोग पहुंचा। अब आयोग की सख्ती के बाद विभाग के अधिकारी सक्रिय हुए हैं।

सूत्रों के अनुसार यदि यह नोटशीट और संबंधित फाइल प्रक्रिया में आगे बढ़ती तो जनता हायर सेकेंडरी स्कूल मांगी को वर्षों पहले शासकीय दर्जा मिल सकता था। आरोप यह भी है कि उस समय विभाग के कुछ अधिकारियों और स्थानीय नेताओं की वजह से फाइल को दबा दिया गया।

वर्तमान में विद्यालय की स्थिति बेहद खराब बताई जा रही है। स्कूल में केवल एक शिक्षक पदस्थ है और आने वाले समय में विद्यालय शिक्षक विहीन होने की आशंका जताई जा रही है।

मप्र में राज्य अधिवक्ता परिषद चुनाव की वोटिंग

88 हजार वकील करेंगे मतदान, भोपाल से 20 प्रत्याशी मैदान में

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद के निर्वाचन के लिए मंगलवार को मतदान शुरू हो गया है। पूरे प्रदेश में एक साथ मतदान कराया जा रहा है। भोपाल में मतदान जिला न्यायालय परिसर में सुबह 10 बजे से शुरू हुआ, जो शाम 5 बजे तक चलेगा। इस चुनाव में मध्य प्रदेश से कुल 122 प्रत्याशी मैदान में हैं। वहीं, भोपाल से 20 प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं। इनमें से 18 पुरुष और 7 महिला सदस्यों का चयन किया जाएगा।

88 हजार अधिवक्ता करेंगे मतदान- प्रदेशभर में लगभग 88,000 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर रहे हैं। चुनाव को लेकर अधिवक्ताओं में उत्साह देखा जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर हो रहा चुनाव- मुख्य मतदान अधिकारी मनोहर लाल पाटीदार ने बताया कि यह चुनाव सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के अनुपालन में हो रहा है। इसके लिए हाई पावर कमेटी का गठन भी किया गया है।

भोपाल के प्रमुख प्रत्याशी चर्चा में- भोपाल से निर्वतमान को-चेयरमैन विजय चौधरी, पूर्व को-चेयरमैन मो. महबूब अंसारी, राजेश व्यास, पीसी कोठारी और चन्द्रकुमार वलेजा सहित कई प्रत्याशी चर्चा में हैं।

पहचान पत्र अनिवार्य किया गया- मतदान के लिए अधिवक्ताओं को राज्य अधिवक्ता परिषद या जिला बार संघ द्वारा जारी पहचान पत्र लाना अनिवार्य किया गया है। बिना पहचान पत्र मतदान की अनुमति नहीं दी जाएगी।

न्यायालयों में अवकाश घोषित- मतदान को देखते हुए राज्य के सभी न्यायालयों को कार्यमुक्त घोषित किया गया है। न्यायाधीश और न्यायिक कर्मचारी भी मतदान प्रक्रिया में सहयोग कर रहे हैं। अपर जिला न्यायाधीश मनोहर लाल पाटीदार को मतदान अधिकारी बनाया गया है। उनके निर्देशन में पूरी मतदान प्रक्रिया का संचालन किया जा रहा है।

अशोका गार्डन में पिता ने बेटे पर फायर किया

भोपाल (नप्र)। भोपाल के अशोका गार्डन इलाके में पारिवारिक विवाद के चलते एक पिता ने अपने ही 16 वर्षीय बेटे पर लाइसेंसी 12 बोर बंदूक से फायर कर दिया। घटना सोमवार रात करीब 10:45 बजे एकता पुरी इलाके में हुई। गनीमत रही कि गोली किशोर को नहीं लगी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी पिता को गिरफ्तार कर बंदूक व कारतूस जब्त कर लिए। अशोका गार्डन थाने के सब इंस्पेक्टर ओमकार सिंह के मुताबिक एकता पुरी निवासी 16 वर्षीय राज चौरसिया उर्फ बंटी चौरसिया कक्षा 11वीं का छात्र है। उसकी मां घरों में साफ-सफाई का काम करती है, जबकि पिता अलग रहता है।

भोपाल से श्रीनगर, चेन्नई-केरल के लिए उड़ेंगे प्लेन

भोपाल (नप्र)। अगले कुछ महीनों में भोपाल एयरपोर्ट से श्रीनगर, चेन्नई, केरल, देहरादून, कोलकाता, जयपुर, चंडीगढ़-जम्मू समेत अन्य बड़े शहरों के लिए प्लेन उड़ सकते हैं। सांसद आलोक शर्मा की मीटिंग के बाद सरकार ने एयरलाइंस ऑपरेटरों से प्रपोजल मांगे हैं।

एयरपोर्ट अथॉरिटी ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर इसकी जानकारी दी है। जिसमें आरएफपी यानी रिक्वेस्ट फॉर प्रापोजल मांगे गए हैं। कहा गया है कि मध्यप्रदेश शासन ने आरएफपी जारी कर शेड्यूल एयरलाइन ऑपरेटरों को भोपाल एवं मध्यप्रदेश के अन्य हवाई अड्डों से प्रमुख घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए सीधी उड़ान सेवाएं प्रारंभ करने के लिए आमंत्रित किया गया है।

इन शहरों के लिए उड़ानें हो सकती हैं शुरू- भोपाल विमानतल सलाहकार समिति के सदस्य मनोज मीक ने बताया राजा भोज एयरपोर्ट सलाहकार समिति की बैठकों में यह सुझाव मिले थे कि भोपाल से चेन्नई, कोलकाता, गोवा, जयपुर, चंडीगढ़, जम्मू, श्रीनगर, देहरादून, केरल और अन्य प्रमुख शहरों के लिए बेहतर उड़ान सेवाएं जरूरी हैं। अब एमपी सरकार ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए वित्तीय प्रोत्साहन देने की पहल की है। इससे एयरलाइंस को भोपाल जैसे संभावनाशील केंद्र से जुड़ने का ठोस आधार मिलेगा। राजधानी भोपाल मध्य भारत का स्वाभाविक कनेक्टिविटी सेंटर है। बेहतर उड़ान सेवाएं पर्यटन, निवेश, उद्योग, शिक्षा, मेडिकल यात्रा, रियल एस्टेट, लॉजिस्टिक्स और नॉलेज एंड एआई सिटी की संभावनाओं को गति देंगी।

कुछ दिन पहले एयरपोर्ट पर एयरपोर्ट एडवाइजरी कमेटी की बैठक हुई थी।

भिंड के दंदरौआ धाम के पास, पेड़ से टकराकर पलटा वाहन

पिता-पुत्र समेत 3 की मौत, दो गंभीर

भिंड (नप्र)। भिंड में मंगलवार तड़के सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हैं। हादसा दंदरौआ धाम गेट नंबर-1 के पास हुआ।

मेहगांव थाना पुलिस के मुताबिक, मौ क्षेत्र से पांच लोग एक लोडिंग वाहन में सवार होकर दंदरौआ की ओर जा रहे थे। वाहन में एक भैंस भी लदी हुई थी। मेहगांव-मौ मुख्य मार्ग पर दंदरौआ धाम गेट नंबर-1 के पास पहुंचते ही चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा। तेज रफ्तार वाहन सड़क किनारे पेड़ से टकराकर पलट गया। हादसा इतना भीषण था कि वाहन में सवार तीन लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान 50 वर्षीय प्रीतम मांझी, उनके पुत्र सुनील मांझी (दोनों निवासी ग्राम छोली, जिला ग्वालियर) और उपेंद्र राणा (निवासी लखनौती, डबरा जिला ग्वालियर) के रूप में हुई है।

गंभीर रूप से घायल दो लोग ग्वालियर रेफर

हादसे में रामरूप बघेल निवासी एरोली और मानवेंद्र ठाकुर घायल हैं। सूचना मिलते ही मेहगांव थाना पुलिस पहुंची। घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा। प्राथमिक इलाज के बाद दोनों को ग्वालियर रेफर कर दिया गया। एसडीओपी संजय कोच्छा ने बताया कि शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

भोपाल में युवक को चाकू मारा, पेट की आंतें निकलीं

बाइक टकराने के विवाद में बीच-बचाव करने गया था ; बदमाशों ने उसी पर हमला कर दिया

भोपाल (नप्र)। भोपाल के छोला मंदिर इलाके में बाइक टकराने के विवाद में एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। घटना शनिवार रात की थी। युवक ने मंगलवार तड़के इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार रासलाखेड़ी निवासी अजय लोधी (20) प्राइवेट जॉब करता था। रविवार शाम करीब 7:30 बजे उसके चचेरे भाई नितिन लोधी की बाइक राम मंदिर के पास एक नाबालिग से टकरा गई थी। नाबालिग सबरी नगर में आयोजित माता पूजन कार्यक्रम में शामिल होने आया था।

बाइक टकराने पर नाबालिग के साथ आए दीपक ठाकुर और उसके साथियों ने नितिन से विवाद किया। सूचना मिलने पर अजय लोधी मौके पर पहुंचा और बीच-बचाव किया। इस दौरान दीपक ने उसे धमकी दी।

रात में फिर हुआ आमना-सामना- इस विवाद के कुछ देर बाद ही रासलाखेड़ी इलाके में दोनों पक्ष फिर आमने-सामने आ गए। यहां दोनों ओर से मारपीट हुई। इसी दौरान दीपक ठाकुर ने साथियों के साथ मिलकर अजय लोधी पर चाकू से हमला कर दिया। चाकू अजय के पेट में लगा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसकी आंते बाहर आ गई थीं। स्थानीय लोगों की मदद से उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां मंगलवार तड़के इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

हत्या का केस दर्ज, दो गिरफ्तार- छोला मंदिर थाना पुलिस ने पहले हत्या के प्रयास का केस दर्ज किया था। युवक की मौत के बाद धारा बढ़ाकर हत्या का मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने मुख्य आरोपी दीपक ठाकुर और उसके एक साथी को सोमवार रात गिरफ्तार कर लिया है। अन्य आरोपियों से पूछताछ जारी है।

भागीरथपुरा जल त्रासदी के बाद खुलने लगीं निगम के करोड़ों खर्चों की परतें

राज्य सूचना आयोग ने मांगा 2018 से 2022 तक का पूरा रिकॉर्ड, 29 मई तक जवाब तलब

इंदौर। भागीरथपुरा जल त्रासदी के बाद नगर निगम के जलप्रदाय विभाग पर सवालों का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। अब विभाग के पिछले वर्षों में हुए करोड़ों रुपये के खर्चों की परतें भी खुलने लगी हैं। मध्यप्रदेश राज्य सूचना आयोग ने नगर निगम को आदेश जारी कर वर्ष 2018 से 2022 तक जल वितरण, पाइपलाइन रखरखाव और पुरानी लाइनें बदलने जैसे कार्यों पर हुए भुगतान और खर्चों का संपूर्ण रिकॉर्ड पेश करने के निर्देश दिए हैं। मामला कांग्रेस के पूर्व पार्षद दिलीप कौशल द्वारा सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत मांगी गई जानकारी से जुड़ा है। कौशल ने जल वितरण व्यवस्था और पाइपलाइन रखरखाव पर हुए खर्चों का ब्यौरा मांगा था, लेकिन नर्मदा जलप्रदाय विभाग के लोक सूचना अधिकारी द्वारा जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई। प्रथम अपीलीय अधिकारी के आदेश के बावजूद रिकॉर्ड नहीं दिए जाने पर मामला राज्य सूचना आयोग पहुंचा। अब

आयोग ने निगम के जलप्रदाय विभाग को 1 अप्रैल 2018 से 30 सितंबर 2022 तक विभिन्न बजट मदों में हुए भुगतान, स्वीकृत कार्यों, फाइलों और संबंधित दस्तावेजों का अवलोकन कराने तथा चयनित जानकारी उपलब्ध कराते हुए 29 मई 2026 तक पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। जानकारी के अनुसार विभाग ने इस अवधि में 792 फाइलों के माध्यम से करोड़ों रुपये खर्च किए। इनमें जल वितरण, पाइपलाइन रखरखाव, पुरानी पाइपलाइन बदलने और वितरण लाइनों के संधारण से जुड़े कार्य शामिल हैं। रिकॉर्ड के मुताबिक 'जल वितरण हेतु स्टोर' मद में चार वर्षों में 4.06 करोड़ रुपये, 'शहर की जल वितरण लाइनों का रखरखाव' मद में 29.40 करोड़ रुपये, 'पुरानी पाइप लाइन बदलना' मद में 33.93 करोड़ रुपये तथा 'जल वितरण लाइन का रखरखाव' मद में 10.27 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया था। इन सभी मदों को मिलाकर कुल 77.66 करोड़ रुपये खर्च किए जाने का प्रावधान सामने आया है।

अब सबसे बड़ा सवाल यही उठ रहा है कि इतने बड़े बजट और भारी खर्च के बावजूद शहर की जल वितरण व्यवस्था में अपेक्षित सुधार क्यों नहीं दिखा। भागीरथपुरा हादसे के बाद यह मुद्दा और संवेदनशील हो गया है। नागरिकों और सामाजिक संगठनों का कहना है कि यदि समय रहते पाइपलाइन सुधार और रखरखाव के कार्य प्रभावी तरीके से किए गए होते तो कई गंभीर समस्याओं और हादसों से बचा जा सकता था।

पूर्व पार्षद दिलीप कौशल ने राज्य सूचना आयोग के आदेश को पारदर्शिता और जवाबदेही की दिशा में बड़ा कदम बताया है। अब नजरें नगर निगम जलप्रदाय विभाग पर टिकी हैं कि वह आयोग के आदेश का पालन करते हुए रिकॉर्ड सार्वजनिक करता है या नहीं।

रालामंडल-तेजाजी नगर ओवरब्रिज शुरू, ट्रैफिक जाम से मिलेगी राहत

सांसद बोले- अब आवागमन होगा सुगम और सुरक्षित

शंकर लालवानी और मधु वर्मा की मौजूदगी में रालामंडल-तेजाजी नगर क्षेत्र में नवनिर्मित रालामंडल ओवरब्रिज आमजन के लिए शुरू कर दिया गया। पुल के शुरू होने से क्षेत्रवासियों को लंबे समय से चली आ रही ट्रैफिक जाम की समस्या से राहत मिलने की उम्मीद है। यह ओवरब्रिज राऊ विधानसभा क्षेत्र के तेजी से विकसित हो रहे इलाकों को बेहतर यातायात सुविधा उपलब्ध कराएगा। प्रतिदिन इस मार्ग से गुजरने वाले विद्यार्थियों, कर्मचारियों, व्यापारियों और आम नागरिकों को अब कम समय में सुरक्षित और सुगम यात्रा का लाभ मिलेगा। बढ़ते ट्रैफिक दबाव को देखते हुए इस पुल को क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण परियोजना माना जा रहा है। सांसद शंकर लालवानी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में आधुनिक आधारभूत संरचनाओं का तेजी से निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार विकास को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के संकल्प के साथ कार्य कर रही है और रालामंडल ब्रिज क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि यह पुल केवल निर्माण कार्य नहीं, बल्कि हजारों नागरिकों के समय की बचत, यातायात सुगमता और सुरक्षित सफर का माध्यम बनेगा। पुल के शुरू होने से व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा और आसपास के क्षेत्रों के विकास को नई गति मिलेगी। विधायक मधु वर्मा ने सांसद शंकर लालवानी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके निरंतर प्रयासों और विकास के प्रति प्रतिबद्धता के कारण क्षेत्रवासियों को यह सौगात मिली है। उन्होंने कहा कि यह पुल नागरिक सुविधाओं और क्षेत्रीय विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगा। ओवरब्रिज के शुभारंभ के दौरान ग्रामीणों ने आतिशबाजी और शंखनाद कर खुशी जाहिर की। नए पुल पर वाहनों की आवाजाही शुरू होते ही क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर रवि रावलिया, विश्वजीत सिसोदिया, मुरली मस्करा, गणपत सिंह गोड़ सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद रहे। क्षेत्रवासियों ने भी पुल के प्रारंभ होने पर खुशी जताते हुए इसे लंबे समय से प्रतीक्षित और जनहितकारी परियोजना बताया। नागरिकों का कहना है कि अब रोजाना लगने वाले जाम से राहत मिलेगी और आवागमन पहले की तुलना में अधिक आसान हो जाएगा।

भीषण गर्मी में गहराया जल संकट, पानी की शिकायत लेकर निगम जनसुनवाई में पहुंचे रहवासी

इन्दौर। शहर में भीषण गर्मी के बीच जल संकट लगातार गहराता जा रहा है। कई इलाकों में पानी की किल्लत से लोग परेशान हैं और अपनी रोजमर्रा की जरूरतों के लिए टैंकरों पर निर्भर होने को मजबूर हैं। समस्या से त्रस्त नागरिक मंगलवार को नगर निगम की जनसुनवाई में शिकायत लेकर पहुंचे और जल्द समाधान की मांग की। जनसुनवाई में पहुंचे मंगलमूर्ति कॉलोनी निवासी श्रवण वर्मा ने बताया कि उनकी कॉलोनी सहित आसपास के क्षेत्रों में पानी की स्थिति बेहद खराब है। नर्मदा लाइन से पर्याप्त सप्लाई नहीं मिल रही, जबकि बोरिंग और बोरवेल भी जवाब दे चुके हैं। लोगों को 800 से 1000 रुपए खर्च कर निजी टैंकरों से पानी मंगवाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि जल संकट के बावजूद नगर निगम की ओर से नियमित रूप से पानी के बिल भेजे जा रहे हैं, जिससे रहवासियों में नाराजगी है।

तीन इमली चौराहे पर खड़ी बसों में भीषण आग

3 बसें और 7 बाइक जलकर खाक, अवैध पार्किंग पर उठे सवाल

कलेक्टर बोले- अवैध रूप से खड़ी बसों की होगी लिस्टिंग, सुरक्षा इंतजाम जांचेंगे

इंदौर। तीन इमली चौराहे के पास मंगलवार को खड़ी बसों में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और वहां खड़ी तीन बसें पूरी तरह जलकर खाक हो गईं। आग की चपेट में आने से आसपास खड़ी सात बाइकें भी जल गईं। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी और आक्रोश का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। फायर ब्रिगेड कर्मचारियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक बसें और बाइकें पूरी तरह जल चुकी थीं। फिलहाल आग लगने के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका है।

अवैध रूप से खड़ी बसों को लेकर लोगों में नाराजगी- घटना के बाद स्थानीय लोगों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि तीन इमली क्षेत्र में लंबे समय से ऑल इंडिया परमिट की बसें अवैध रूप से खड़ी की जाती हैं। लोगों का कहना है कि इस तरह की लापरवाही से कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

कलेक्टर ने दिए जांच के निर्देश- इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा ने घटना को गंभीर बताते हुए कहा कि शहर में जहां-जहां ऑल इंडिया परमिट की बसें अवैध रूप से खड़ी हो रही हैं, उनकी लिस्टिंग कराई जा रही है।कलेक्टर ने कहा कि संबंधित स्थानों पर सुरक्षा इंतजामों की जांच की जाएगी। जहां पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था नहीं मिलेगी, वहां बसें खड़ी करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। साथ ही आग लगने के कारणों की जांच के आदेश भी दे दिए गए हैं।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने मौके पर बांटी आर्थिक सहायता, सीएम के निर्देश पर तत्काल निराकरण

इंदौर। कलेक्टर कार्यालय में मंगलवार को कलेक्टर शिवम वर्मा की अध्यक्षता में जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में कलेक्टर ने लोगों की समस्याएं सुनीं और कई मामलों का मौके पर ही निराकरण किया। आर्थिक सहायता और स्वास्थ्य संबंधी मामलों में तत्काल मदद भी प्रदान की गई। जनसुनवाई में आर्थिक सहायता, आपसी विवाद, राजस्व और पुलिस से जुड़े कई आवेदन सामने आए। इसके अलावा कुछ लोगों ने अवैध कब्जे और भरण-पोषण संबंधी शिकायतें भी दर्ज कराईं। वहीं कुछ नागरिक गंदे पानी की सप्लाई की समस्या लेकर भी पहुंचे। कलेक्टर ने बताया कि जिन मामलों में तत्काल सहायता संभव थी, विशेषकर आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी मामलों में, वहां मौके पर ही कार्रवाई की गई। अन्य मामलों को संबंधित विभागों को भेजकर दर्ज किया गया है। कलेक्टर ने कहा, जनसुनवाई में आर्थिक सहायता से लेकर आपसी विवाद, राजस्व और पुलिस संबंधी विभिन्न आवेदन आए हैं। जिन मामलों में तत्काल सहायता दी जा सकती थी, जैसे आर्थिक या स्वास्थ्य संबंधी सहायता, उनका तुरंत निराकरण किया गया है। बाकी विषयों को दर्ज कर लिया गया है। कुछ अवैध कब्जे और भरण-पोषण संबंधी शिकायतें भी प्राप्त हुई हैं। हमारा प्रयास है कि सभी मामलों में नियमानुसार समय पर कार्रवाई हो। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देश हैं कि आर्थिक सहायता और स्वास्थ्य से जुड़े मामलों को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई की जाए। उसी क्रम में जनसुनवाई आयोजित की जा रही है। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि लोगों को जल्द राहत मिल सके।

घर में सबसे प्रदूषित होती है रसोई की हवा, डीटीयू, आईआईटी दिल्ली के शोध में चौंकाने वाला खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में यह आम धारणा है कि रसोई घर का सबसे साफ हिस्सा होता है। यहां स्वच्छता का अधिक ख्याल रखा जाता है। लेकिन अगर आपको पता चले कि यही रसोई पूरे घर में सबसे ज्यादा प्रदूषित होती है तो आप क्या कहेंगे। जी हां, इस बात का खुलासा दिल्ली टेक्निकल यूनिवर्सिटी और आईआईटी दिल्ली के एक ताजा अध्ययन में हुआ है। इस शोध में पाया गया है कि आपके किचन की हवा घर के बाहर जितनी प्रदूषित हो सकती है या कई बार उससे ज्यादा भी। इस शोध को लीड किया डीटीयू के एडवांस्ड एयर एंड अकाउस्टिक रिसर्च लेबोरेट्री के डॉ. राजीव कुमार मिश्रा और रिसर्च स्कॉलर मोनिका शर्मा ने। इनका साथ दिया आईआईटी दिल्ली के प्रोफेसर मुकेश खरे ने।

शोध में सभी आय वर्ग के घरों का किया गया अध्ययन

अपने शोध के दौरान इन लोगों ने जीटीबी नगर के घरों के बेडरूम और किचन की एयर क्वालिटी पर शोध किया। इसके तहत इन्होंने चार इनकम ग्रुप वाले लोगों के घरों को चुना, जिसमें शहरी गरीब, कम आय वाले, मध्यम वर्ग और हाई इनकम वाले लोगों के घर पर गर्मी, सर्दी और मॉनसून सभी मौसम में शोध किया गया। इस शोध में चौंकाने वाला आंकड़ा सामने आया। शोधकर्ताओं ने पाया कि घर चाहे किसी भी आय वर्ग का हो उसमें सबसे प्रदूषित रसोई ही मिली। यहां औसत पीएम 2.5 60 से 100 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर मिला। वहीं पीएम 10 115-145 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर मिला। यह दोनों ही सीमाएं सुरक्षित मानक से कहीं ज्यादा हैं। सर्दियों में पीएम10 250 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर किचन में और बेडरूम में 200 तक पहुंच गया। जिन किचन में वेंटिलेशन की अच्छी व्यवस्था नहीं थी वहां पीएम10 247 और पीएम 2.5 200 और पीएम1 153 तक पहुंच गया। शोध के अनुसार पीएम1 पीएम10 को बढ़ाने में 40-85 प्रतिशत तक योगदान देता है।

क्या बोले डॉ. राजीव कुमार मिश्रा?

यह शोध पार्टिकुलेट साइंस एंड टेक्नोलॉजी नामक जर्नल में प्रकाशित हो चुका है। इसमें पाया गया है कि इनडोर पॉल्यूशन घर में होने वाले काम से जुड़ा हुआ है। खराब वेंटिलेशन, अटैच्ड किचन, खाना पकाने में लगने वाला लंबा समय और एग्जॉस्ट सिस्टम का ठीक न होना घर का प्रदूषण बढ़ाता है। यहां तक कि मॉडर्न सुविधाओं वाले घरों में भी सर्दी के मौसम में इनडोर पॉल्यूशन, डस्टिंग, वेंटिलेशन की उचित व्यवस्था आदि न होने से ज्यादा ही रहता है।

लोगों का जीना हुआ मुहाल

न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी में सीवर ओवरफ्लो से बदबू और गंदगी

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिणी दिल्ली के न्यू फ्रेंड्स कालोनी में सीवर ओवरफ्लो के चलते फिर से हालात बदतर बने हुए हैं। इलाके के सी ब्लाक में सोमवार को सीवर ओवरफ्लो होने से सड़कों पर गंदा पानी भर गया। इसके चलते स्कूली बच्चों, स्थानीय लोगों और वाहन चालकों को सीवर के पानी से होकर गुजरना पड़ा।

इसे लेकर आरडब्ल्यूए ने जन प्रतिनिधियों और संबंधित विभागों से शिकायत भी की है। साथ ही लंबे समय से चल रही इस परेशानी का स्थायी समाधान करने की मांग भी उठाई है।

दरअसल, इलाके में लंबे समय से सीवर ओवरफ्लो की परेशानी बनी हुई है। लगातार शिकायतों के बावजूद कोई समाधान नहीं होने पर आए दिन लोगों के घरों के आगे सीवर का पानी जमा रहता है। आरडब्ल्यूए की ओर से समस्या को लेकर दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी), दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) सहित दिल्ली की मुख्यमंत्री, उपराज्यपाल, सांसद, विधायक व पार्षद से लगातार शिकायतें की जा चुकी हैं। पिछले दिनों पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा को भी इस संबंध में पत्र लिखा गया है। फौरी राहत के लिए आरडब्ल्यूए ने सबमर्सिबल पंप भी लगाया है, लेकिन सीवर पूरी तरह जाम होने से राहत नहीं मिल पा रही है। महारानी बाग ट्रंक लाइन, जो सीवेज को किलोकरी स्थित एसटीपी तक ले जाती है पूरी तरह जाम है। इलाके में करीब पांच दशक पहले बिछाई गई सीवरेज लाइन कई जगहों से क्षतिग्रस्त है। इसके चलते ए, बी, सी और डी ब्लाक में आए दिन सीवर ओवरफ्लो रहता है। आरडब्ल्यूए ने जर्जर पाइपलाइनों को बदलने या तत्काल मरम्मत करने की मांग रखी है। आरडब्ल्यूए का कहना है कि जल बोर्ड ने पिछले दिनों आश्वासन दिया था कि महारानी बाग में सुपर सकर मशीन से ब्लाकेज हटाने का काम किया जाएगा। इसपर भी अभी तक कुछ नहीं हुआ है। महारानी बाग स्थित मुख्य सीवर लाइन में ब्लॉकेज की वजह से न्यू फ्रेंड्स कालोनी में सीवर ओवरफ्लो की परेशानी है। जल बोर्ड ने साइट सर्वे में पाया है कि सीवर नेटवर्क काफी पुराना होने से परेशानी है। घरों के आगे आए दिन सीवर का पानी बहता है और हम लोग बदबू-गंदगी के बीच रहने को मजबूर हैं। रोजाना शिकायतें की जा रही है।

100 करोड़ के घूसकांड में दिल्ली पुलिस का इंस्पेक्टर गिरफ्तार, सीबीआई रेड में बड़ा खुलासा; अब नपेंगे कई आईपीएस अफसर

नई दिल्ली, एजेंसी। सीबीआई ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 100 करोड़ के कथित रिश्वत प्रकरण में दिल्ली पुलिस के इंस्पेक्टर सुभाष यादव को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया है। उन्हें मंगलवार को कोर्ट में पेश कर रिमांड लिया जाएगा ताकि मामले की गहराई से जांच की जा सके। दिल्ली में भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टीगेशन (सीबीआई) ने द्वारका जिले में तैनात नारकोटिक्स इंस्पेक्टर सुभाष यादव को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी उस समय हुई जब जांच एजेंसी को उनके खिलाफ गंभीर वित्तीय अनियमितताओं के पुख्ता सबूत मिले। सूत्रों के मुताबिक, जांच के दौरान 100 करोड़ से अधिक के संदिग्ध लेन-देन का का पता चला है। इसके साथ ही कई बेनामी संपत्तियों और प्रॉपर्टी से जुड़े लिंक भी सामने आए हैं, जिसने पूरे मामले को और गंभीर बना दिया है।

सबूत जुटाने के बाद सीबीआई ने कार्रवाई की : सीबीआई की टीम लंबे समय से इस केस पर निगरानी रखी हुई थी और पर्याप्त सबूत जुटाने के बाद ही यह बड़ी कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई ने पुलिस महकमे में हलचल मचा दी है। आने वाले दिनों में इस केस से जुड़े कुछ आईपीएस अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई की संभावना जताई जा रही है।

बिगड़ने वाला है दिल्ली-एनसीआर और पश्चिमी यूपी का मौसम, आंधी-बारिश और बिजली चमकने का अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मौसम बदलने वाला है। मौसम विभाग ने अगले दो घंटों के दौरान धूल भरी आंधी, गरज-चमक के साथ बारिश और तेज हवाएं चलने की चेतावनी जारी की है। कई इलाकों में बिजली चमकने और 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से तेज झोंकेदार हवाएं चलने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली के जाफरपुर, नजफगढ़, द्वारका, पालम, आईजीआई एयरपोर्ट, वसंत विहार, आरके पुरम, वसंत कुंज, हौज खास, मालवीय नगर, महरौली, तुगलकाबाद, छतरपुर, आईजीएनओयू, अयानगर और डेरामंडी क्षेत्रों में धूल भरी आंधी के बाद हल्की बारिश या बूंदाबांदी के आसार हैं। इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं।

वहीं एनसीआर के गुरुग्राम, फरीदाबाद, मानेसर और बल्लभगढ़ में भी मौसम खराब रहने की संभावना है। इसके अलावा हरियाणा के सोहना, पलवल, नूंह और औरंगाबाद में भी मौसम करवट लेगा।

जबकि पश्चिमी यूपी के सहारनपुर, गंगोह, देवबंद, नजीबाबाद, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, हस्तिनापुर, चांदपुर, किठौर, अमरोहा, मुरादाबाद, गढ़मुक्तेश्वर, रामपुर, स्याना, संभल, बिलारी, चंदौसी, बहजोई और बरेली में तेज आंधी के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना जताई गई है।

मौसम विभाग ने लोगों से खराब मौसम के दौरान खुले स्थानों पर जाने से बचने, पेड़ों और बिजली के खंभों से दूर रहने तथा सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की है।

ब्रिटेन में सियासी भूचाल ! सरकार से पहली मंत्री ने दिया इस्तीफा, पीएमस्टार्मर पर कुर्सी छोड़ने का दबाव बढ़ा

चुनौती की प्रक्रिया शुरू नहीं हुई है और देश सरकार से काम जारी रखने की उम्मीद करता है

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की राजनीति में बड़ा संकट खड़ा होता दिखाई दे रहा है। प्रधानमंत्री कीर स्टॉर्मर पर इस्तीफे का दबाव लगातार बढ़ रहा है, लेकिन उन्होंने साफ कर दिया है कि वह पद नहीं छोड़ेंगे और सरकार चलाते रहेंगे। डाउनिंग स्ट्रीट की ओर से जारी बयान में स्टारमर ने कैबिनेट बैठक के दौरान कहा कि पार्टी के भीतर नेतृत्व चुनौती की प्रक्रिया शुरू नहीं हुई है और देश सरकार से काम जारी रखने की उम्मीद करता है। उन्होंने कहा, 'पिछले 48 घंटे सरकार के लिए अस्थिर रहे हैं और इसका आर्थिक असर देश तथा परिवारों पर पड़ रहा है। लेकिन लेबर पार्टी में नेता को चुनौती देने की एक प्रक्रिया होती है और वह शुरू नहीं हुई है।' ब्रिटिश अखबार रिपोर्ट के मुताबिक कैबिनेट के छह वरिष्ठ मंत्री चाहते हैं कि स्टारमर पद छोड़ दें। रिपोर्ट में जिन मंत्रियों का नाम सामने आया उनमें

शामिल हैं:

बताया जा रहा है कि इन नेताओं ने स्टारमर से नेतृत्व परिवर्तन पर विचार करने को कहा है।

सरकार से पहला इस्तीफा: इसी बीच सरकार को बड़ा झटका तब लगा जब हाउसिंग, कम्युनिटीज और लोकल गवर्नमेंट मंत्री मियाटा फानबुले ने इस्तीफा दे दिया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 𝕏 पर जारी बयान में कहा कि सरकार ने बदलाव की रफ्तार, विजन और साहस नहीं दिखाया जिसकी जनता को उम्मीद थी। फाहनबुलेह ने स्टारमर से 'देश और पार्टी के हित में व्यवस्थित नेतृत्व परिवर्तन की समयसीमा तय करने' की अपील की। उन्होंने लिखा, 'जनता अब विश्वास नहीं करती कि आप वह बदलाव ला सकते हैं जिसकी हमने उनसे वादा किया था।'

डाउनिंग स्ट्रीट में बढ़ी हलचल: मंगलवार सुबह डाउनिंग स्ट्रीट में लगातार मंत्रियों की आवाजाही देखी गई।

परिवार के ही एक आदमी ने दी जानकारी

डच नाजी कमांडर के परिवार के पास मिली चोरी की बेशकीमती पेंटिंग, आर्ट जासूस का बड़ा खुलासा

रोम, एजेंसी। डच आर्ट जासूस आर्थर ब्रांड ने सोमवार को 'पोर्ट्रेट ऑफ ए यंग गर्ल' पेंटिंग को लेकर कई नए खुलासे किए। उन्होंने बताया कि, नाजियों द्वारा दुनिया के मशहूर गौडस्टिकर कलेक्शन से लूटी गई एक कलाकृति उन्होंने खोज ली है। यह पेंटिंग नीदरलैंड्स में एक बदनाम एसएस सहयोगी के परिवार के पास मिली है।

ब्रांड ने बताया कि डच कलाकार टून केल्डर की बनाई पेंटिंग 'पोर्ट्रेट ऑफ ए यंग गर्ल' (एक युवा लड़की का चित्र), शायद दशकों से हेंड्रिक सेफार्ड्ट के वंशजों के घर में टंगी हुई थी। ब्रांड ने इसे अपने पूरे करियर का सबसे अजीब मामलाय बताया।

इस मामले की तुलना 2025 में सामने आई एक खोज से की जा रही है, जिसने दुनिया भर में सुर्खियां बटोरी थीं। उस समय, 18वीं सदी की नाजियों द्वारा लूटी गई एक पेंटिंग, जो यहूदी आर्ट डीलर जैक्स गौडस्टिकर के कलेक्शन से ही थी। अर्जेंटीना में एक प्रॉपर्टी के विज्ञापन में दिखाई दी थी। नीदरलैंड्स के इस मामले में, ब्रांड ने बताया कि एक व्यक्ति ने उनसे संपर्क किया, जिसने हाल ही में दो चौंकाने वाले राज खोजे थे। वह सेफार्ड्ट का वंशज था, और उसके परिवार ने सालों तक उस लूटी हुई कलाकृति को अपने घर में सजाकर रखा था। परिवार के इस सदस्य ने, जो अपना नाम गुप्त रखना चाहता था, ब्रांड को बताया कि उसने यह पेंटिंग सेफार्ड्ट की पोती के घर के गलियारे में टंगी हुई देखी थी। सेफार्ड्ट की हत्या 1943 में डच प्रतिरोध सेनानियों ने कर दी थी।

सेफार्ड्ट, जो नाज़ियों के साथ सहयोग करने वाले सबसे ऊंचे ओहदे वाले डच लोगों में से एक था। वह पूर्वी मोर्चे पर डच स्वयंसेवकों की एक टुकड़ी का नेतृत्व करता था। 1943 में उसकी मौत की खबर अपने पहले पन्ने पर छापी थी, और द हेग में उसके लिए एक भव्य नाजी राजकीय अंतिम संस्कार आयोजित किया गया था, जिसमें एडॉल्फ हिटलर द्वारा भेजा गया फूलों का हार भी शामिल था।

ब्रांड ने बताया कि सेफार्ड्ट की पोती ने परिवार के उस सदस्य से कहा था कि, यह पेंटिंग यहूदियों से लूटी गई कलाकृति है, जिसे गौडस्टिकर से चुराया गया था।